www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, गुरुवार, 9 जून, 2022 | वर्ष-15 | अंक -64 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

रेपो दर में वृद्धि से रियल एस्टेट की लागत में आयेगी कमी : उद्योग

नई दिल्ली, 8 जून (एजेंसियां)। बेकाबू होती महंगाई को नियंत्रित करने के उद्देश्य से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एक महीने में लगातार दूसरी बार रेपो दर में आज की गयी बढोतरी का रियल एस्टेट उद्योग ने उच्च लागत में कमी लाने वाला कदम बताते हुये कहा है कि हालांकि इससे आवास ऋण महंगा हो सकता है।

क्रेडाई एनसीआर के अध्यक्ष एवं गौड़ समूह के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज गौड़ ने रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कहा संतुलन बनाने के लिए आरबीआई द्वारा लिया गया यह अच्छा निर्णय है। इसने उस कठोर रुख को नहीं अपनाया गया है जिसकी उम्मीद कुछ पर्यवेक्षकों ने की थी। इस प्रयास से मुद्रास्फीति को कम करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का संकेत दिया है। हम समझते हैं कि रेपो दर में 50 आधार अंक की वृद्धि उपभोक्ता ऋणों की ब्याज दरों को प्रभावित करेगी और होम लोन को ऐसे समय में अधिक महंगा बना देगी जब रियल एस्टेट क्षेत्र महामारी के प्रकोप से बाहर आ रहा था और कम समय में बिक्री को प्रभावित कर रहा था। हालांकि, मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने से आख़िरकार रियल एस्टेट क्षेत्र को लाभ होगा जो उच्च इनपुट लागतों से घिरा हुआ है। रियलटी कंपनी भूमिका ग्रुप के प्रबंध निदेशक उद्धव पोद्दार ने कहा कि खुदरा मुद्रास्फीति जो अप्रैल में 8 साल के उच्चतम स्तर पर है और थोक कीमतों में वृद्धि के साथ, पिछले तीन दशकों में सबसे तेज है इसलिए आरबीआई के पास विकल्प नहीं था । हालांकि, आरबीआई एमपीसी के रेपो दर में 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी का निर्णय निश्चित रूप से रियल एस्टेट में मांग को प्रभावित करेगा, हालांकि हमें उम्मीद है कि आरबीआई के फैसले से मुद्रास्फीति को सामान्य स्थिति में लाने में मदद मिलेगी और लंबे समय में अर्थव्यवस्था को लाभ होगा।

क्रेडाई वेस्टर्न यूपी के अध्यक्ष अमित मोदी ने कहा कि रेपो दर में इस वृद्धि से खरीदारों की भावनाओं में बाधा आएगी, विशेष रूप से पहली बार घर खरीदने वाले प्रभावित होंगे जो होम लोन पर बहुत अधिक निर्भर हैं। यह कोविड के बाद रियल एस्टेट में आई बिक्री की बढ़ोतरी में एक बाधा होगी। इस बढ़ोतरी के बाद यह लाखों घर खरीदारों को संपत्ति बाजार से अलग कर देगा। यह बिक्री की गति को धीमा कर देगा जिसने हाल के दिनों में वृद्धि की है। सिग्नेचर ग्लोबल के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि इस वृद्धि को सुधारात्मक कदम कहा जा सकता है, वर्तमान में यह छोटी और सूक्ष्म आर्थिक स्थितियों को स्पष्ट रूप से लक्षित उद्देश्य था, मौद्रिक नियंत्रण उपायों के माध्यम से महंगाई पर लगाम लगाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं बचा था। यह अचल संपत्ति को थोड़ा प्रभावित कर सकता है, लेकिन यह उपभोक्ता के विश्वास या मांग को प्रभावित नहीं करेगा। इसके साथ ही, सहकारी बैंकों के लिए शीर्ष बैंक द्वारा व्यक्तिगत ऋण की सीमा 100 प्रतिशत बढ़ाने से निश्चित रूप से प्रत्येक हितधारक के बीच सकारात्मक संचार का प्रसार होगा।